करियर प्वाइंट यूनिवर्सिटी, कोटा, राजस्थान का दीक्षांत समारोह

24 दिसम्बर, 2019

आज कोटा के इस सुंदर और विशाल परिसर में फैले करियर प्वाइंट यूनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह में आप सबके बीच आकर मुझे बहुत अधिक खुशी हो रही है।

साथियो, युवाओं को उल्लास, ऊर्जा और उमंग का प्रतीक माना जाता है। मैं जब भी युवाओं के बीच जाता हूँ, तो एक नई ऊर्जा और एक नई ताज़गी महसूस करता हूं। आज इतने सारे प्रसन्न और उत्साही युवाओं के बीच मुझे इस दीक्षांत समारोह में आमंत्रित करने के लिए मैं कैरियर प्वाइंट विश्वविद्यालय के कुलाधिपति, श्री प्रमोद माहेश्वरी जी के प्रति आभार व्यक्त करता हूं।

सबसे पहले मैं उन सभी छात्र-छात्राओं को बधाई देना चाहूंगा जो, आज के दीक्षांत समारोह में सम्मानित होंगे और डिग्री प्राप्त करेंगे।

मैं समझ सकता हूँ कि आज उनके जीवन का एक महत्वपूर्ण और निर्णायक मोड़ है। ज्ञान अर्जन हेतु जिस त्याग-तपस्या में वे वर्षों से लीन थे, आज उस ज्ञान-यज्ञ की पूर्णाहुति का दिन है। आज आप जैसे ज्ञान-साधकों की साधना और संकल्प की सिद्धि का दिन है। आपके जीवन के इस सौभाग्यशाली अवसर का साक्षी बनना मेरे लिए भी बडे संतोष की बात है।

साथियो, सफलता और सिद्धि का रास्ता आसान नहीं होता। इस रास्ते में न जाने कितनी मुश्किलें और विघ्न-बाधाएं आती हैं।

आप सभी की इस ज्ञान-यात्रा में भी कई प्रकार की कठिनाइयां और अवरोध आये होंगे। लेकिन आप लोगों ने हार नहीं मानी और हर मुश्किल का निडर होकर सामना किया।

आप हर चुनौती से लड़ते हुए आगे बढ़ते रहे। इसलिए आज आप सफल हैं। और, आज आपके इसी दृढ़-संकल्प और इच्छा-शक्ति का सम्मान किया जा रहा है। मैं आपकी इस जीवटता और ज़ज़्बे को सलाम करता हूँ। आपकी लगन और आपके साहस का अभिनन्दन करता हूं।

लेकिन, आपको यह भी याद रखना चाहिए कि आपकी इस विजय-यात्रा में आप अकेले नहीं थे। आपके माता-पिता और अन्य परिवारजन, आपके शिक्षकगण और आपके समाज व राष्ट्र ने आपका सहयोग और मार्गदर्शन किया है। इसलिए आपको इन सबके प्रति कृतज्ञ और आभारी होना चाहिए।

आज आपके जीवन के इस सुंदर अवसर पर मैं आपसे कुछ बातें साझा करना चाहता हूं। ताकि, आप भावी जीवन के लिए अपने-आपको सही ढंग से तैयार कर सकें।

प्रिय विद्यार्थियों, शिक्षा मानव सभ्यता के विकास की कुंजी है। लेकिन, शिक्षा सिर्फ किताबों या परीक्षाओं तक ही सीमित नहीं है। शिक्षा का उद्देश्य मनुष्य के जीवन और व्यक्तित्व के हर पक्ष का सन्तुलित विकास करना है।

शिक्षा हमें अच्छा नागरिक बनाती है और हमारे अंदर सहिष्णुता, अनुशासन, प्रतिबद्धता, करूणा तथा संवेदनशीलता जैसे सद्गुण जगाती है। इसके माध्यम से हम सही और गलत में अंतर करना सीखते हैं। शिक्षा हमें यह भी सिखाती है कि अपने अधिकारों के लिए लड़ते समय हम में समाज के प्रति अपने कर्त्तव्यों की भी चेतना हो।

केवल शिक्षा से ही लोकतांत्रिक सुदृढ़ता, सामाजिक एकता और सतत विकास को प्राप्त किया जा सकता है। यह बहुत जरूरी है कि हम अपने पूरे समाज को शिक्षा और विकास के रास्ते पर ले जाएं तथा यह सुनिश्चित करें कि हमारे समाज का कोई भी वर्ग इसमें पीछे न छूट जाए। मुझे खुशी है कि भारत को ज्ञान-आधारित समाज बनाने के हमारे प्रयासों में करियर प्वाइंट यूनिवर्सिटी अपना योगदान दे रही है।

भारत आज विश्व का सबसे युवा देश है। हमारी 60 प्रतिशत से अधिक जनसंख्या युवा है। किसी भी देश के युवा ही उसकी असली सम्पत्ति होते हैं। देश का भविष्य ही युवाओं पर टिका होता है।

लेकिन इसके लिए यह आवश्यक है कि युवाओं की अपार ऊर्जा और रचनात्मकता को सही दिशा में लगाया जाए। उन्हें राष्ट्र निर्माण और सामाजिक-आर्थिक विकास की प्रक्रिया में शामिल किया जाए।

हमारे देश के युवाओं में प्रतिभा है। आवश्यकता इस बात कि है कि उन्हें सही शिक्षण और प्रशिक्षण देकर आत्मनिर्भर बनाया जाए। ताकि वे अपने साथ-साथ परिवार और समाज की जिम्मेदारी भी ले सकें और उनकी क्षमताओं का 100 प्रतिशत सार्थक उपयोग हो सके।

साथियो, आज का युग तकनीक का युग है। इसके ज्ञान के बिना आज शिक्षण- प्रशिक्षण अधूरा है। इसलिए सरकार इस दिशा में भरपूर प्रयास कर रही है। आज भारत दुनिया की सबसे सस्ती डाटा कनेक्टिविटी वाले देशों में है, जो प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से लाखों लोगों को सशक्त बना रही है।

मुझे आशा है कि आप लोग भी डिजिटल क्रांति में शामिल होंगे और शिक्षण-प्रशिक्षण एवं अध्ययन-अध्यापन में तकनीक को विशिष्ट स्थान देंगे।

मित्रो, आज पूरे विश्व को बड़ी संख्या में कुशल युवाओं और दक्ष श्रमशक्ति की जरूरत है। ऐसे में हमारे लिए यह अच्छा अवसर है कि हमारे कुशल और प्रशिक्षित युवा दुनिया में हर क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभाएं।।

हमारे युवाओं को ज्ञान, विज्ञान, परिश्रम और नवाचार (innovation) के लिए पूरे विश्व में जाना जाता है। हमें कोशिश करनी है कि हम अपने विद्यार्थियों और युवाओं को पूरी दुनिया में सबसे कुशल बनाएं। हम उनकी गुणवत्ता और क्षमता को इतना बेहतर बनायें कि पूरी दुनिया हमारी ओर देखे।

विश्व के हर कोने में यही संदेश जाए कि हमें अपने विद्यार्थियों और युवाओं को भारत के युवाओं और विद्यार्थियों जैसा बनाना है। पूरा विश्व हमसे सीखने की कोशिश करे कि विद्यार्थियों की प्रतिभाओं और क्षमताओं को कैसे तराशा जाता है।

मित्रो, हमारे युवाओं और विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और प्रशिक्षण देने लिए सबसे पहली जरूरत Infrastructure या अवसंरचना की होती है। जब तक शिक्षण- प्रशिक्षण के लिए अच्छी इमारत, क्लासरूम, अच्छी किताबें, पुस्तकालय, अच्छे शिक्षक नहीं होंगे, तब तक हर बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने का सपना पूरा नहीं हो पायेगा।

मित्रो, हालांकि देश की सरकार इस सन्दर्भ में पूरी कोशिश कर रही है। बड़ी संख्या में स्कूल, कॉलेज और शिक्षण संस्थानों का निर्माण किया जा रहा है। किंतु, भारत जैसे विशाल जनसंख्या वाले देश में सरकार के साथ-साथ सेवा की भावना से प्रेरित होकर निजी क्षेत्र को भी सामूहिक प्रयास करने की जरूरत है। तभी देश के हर बच्चे तक गुणवत्ता वाली शिक्षा की रौशनी पहुंच पाएगी।

मुझे खुशी है कि कैरियर प्वाइंट (CAREER POINT) समूह इस दिशा में प्रशंसनीय काम कर रहा है। हाड़ोती अंचल का प्रथम स्व-पोषित विश्वविद्यालय के माध्यम से यह बहुत बड़ी समाज सेवा कर रहा है। अपने धन को, समय को, शक्ति को ज्ञान के प्रचार-प्रसार में लगाना राष्ट्र की और संस्कृति की सबसे बड़ी सेवा है।

कोटा को 'भारत के शैक्षणिक शहर' और 'एजुकेशन हब' के रूप में जाना जाता है जो बिल्कुल सही बात है। और कोटा का यह करियर प्वाइंट यूनिवर्सिटी निश्चित तौर पर शिक्षा के क्षेत्र में सर्वोत्तम विश्वविद्यालयों में से एक है। मुझे यह जानकर खुशी हुई है कि यहां के अनेक प्रतिभावान अध्यापकों और प्रबंधकों के माध्यम से यहां पढने वाले छात्रों को अत्यधिक लाभ मिला है।

करियर प्वाइंट ग्रुप दो दशकों से भी अधिक समय से उच्च प्रतिभाओं का विकास कर रहा है। यह गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने और हमारे देश के विभिन्न हिस्सों से आए हजारों छात्रों के सपनों को पूरा करने वाला एक अग्रणी संस्थान बन गया है। शिक्षा के क्षेत्र में व्यावसायिकता को आगे बढ़ाने और शिक्षा को सस्ती एवं सुलभ बनाने के साथ ही छात्रों के श्रेष्ठ गुणों को विकसित करने के सरकार के प्रयासों में सहायक बनने के लिए मैं करियर प्वाइंट के संकाय और प्रबंधन के प्रयासों की भूरि-भूरि प्रशंसा करता हूं।

मुझे यह देखकर खुशी हुई है कि करियर प्वाइंट यूनिवर्सिटी ने 2012 में एक छोटी सी शुरुआत के बाद से उल्लेखनीय प्रगति की है। समय के साथ-साथ, अत्याधुनिक अवसंरचना, अच्छी शैक्षणिक सुविधाओं और अनुभवी संकाय वाली करियर प्वाइंट यूनिवर्सिटी ने देशभर में नाम और यश कमाया है।

यह उल्लेखनीय है कि इस विश्वविद्यालय ने इतने कम समय में ही कला और मानविकी, सूचना विज्ञान और व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के अलावा इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी, कंप्यूटर एप्लिकेशन, जैसे विविध और नवीन पाठ्यक्रम भी उपलब्ध कराने की क्षमता हासिल कर ली है।

मैं समझता हूँ कि यह विश्वविद्यालय हर वर्ष हजारों छात्रों की शैक्षिक ज़रूरतों को 'स्टूडेंट फर्स्ट' का दृष्टिकोण रखते हुए पूरा करता है और छात्रों को सर्वोत्तम शिक्षा और सुविधाएं प्रदान करने के लिए हरसंभव प्रयास करता है। मैं इस बात की सराहना करता हूं कि इस विश्वविद्यालय में हर छात्र को उसकी पूरी क्षमता का उपयोग करने के लिए विश्व की सबसे अच्छी, आई आई टी की शिक्षा प्रणाली का अनुसरण करते हुए अपनी शिक्षा प्रणाली में प्रयोग संबंधी दृष्टिकोण को अपनाया गया है।

इसकी शैक्षणिक प्रणाली निर्धारित पाठ्यक्रम तक ही सीमित नहीं है बल्कि इसके अंतर्गत छात्रों में व्यावसायिक कौशल और भविष्य में नेतृत्व कर पाने के विशिष्टी गुणों का विकास भी शामिल है।

मित्रों, आज हम सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक हैं। इसमें, विश्वविद्यालय से प्राप्त शिक्षा का योगदान भी महत्विपूर्ण होता है। आज, उद्योग और अर्थव्यवस्था के अधिकांश क्षेत्रों को कुशल श्रमशक्ति चाहिए। अब रोजगार देने वाले केवल शैक्षणिक योग्यता और प्रमाणपत्रों के आधार पर ही रोज़गार नहीं दे रहे हैं।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि करियर प्वाइंट यूनिवर्सिटी अपने शोध और व्यावहारिक कौशल कार्यक्रमों के माध्यम से छात्रों में ज्ञान, कौशल और समाज सेवा के मूल्य प्रदान करते हुए उनकी पूरी क्षमता विकसित करने में सहायता करेगी।

यह खुशी की बात है कि करियर प्वाइंट यूनिवर्सिटी ने बहुत-सी अच्छी परंपराओं को अपनाया है जिसमें सीखने की सतत प्रणाली, घनिष्ठ गुरू-शिष्य संबंध, स्वतंत्र सोच और विश्लेषण, छात्रों में सम्मान, एकता, विश्वास, ईमानदारी और नैतिक व्यवहार जैसे आदर्श गुणों का महत्व सिखाना शामिल हैं। ये सभी दूरगामी अर्थव्यवस्था के नए और गतिशील माहौल के लिए जवाबदेह शिक्षा प्रणाली तैयार करने तथा इसे बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण हैं।

जैसा कि आप सभी जानते हैं कि भारत ज्ञान-आधारित समाज के रूप में तेजी से उभर रहा है और दुनिया के अन्य ज्ञान-आधारित समाजों के साथ जुड़ रहा है। मुझे विश्वास है कि यूनिवर्सिटी द्वारा तैयार किये गये पाठ्यक्रम, सह-पाठ्यक्रम और पाठ्येत्तर कार्यकलापों से छात्रों को वैश्वीकृत दुनिया की चुनौतियों का सामना करने में मदद मिलेगी।

अंत में, एक बार फिर से मैं कठिन परिश्रम और अनुशासित प्रयासों के माध्यम से अपनी शिक्षा पूरी करके आज सम्मान और उपाधियों को प्राप्त करने जा रहे सभी युवा विद्यार्थियों को बधाई देता हूँ।

मेरे युवा मित्रो,जैसे ही आप इस परिसर से बाहर निकलेंगे तो चुनौतियों और अवसरों से भरपूर एक नई दुनिया आपका इंतजार कर रही होगी। आगे बढ़िए और उन अवसरों का लाभ उठाइए, अपनी क्षमता तथा प्रतिभा को दिखाइये। मेरी शुभकामनाएं आप सबके साथ हैं।

हमारे देश के महान ऋषि स्वामी विवेकानन्द जी ने कहा था कि - “मुझे अपने देश में और विशेष रूप से अपने देश के युवाओं में विश्वास है।” इसलिए आपको एक “Change Leader” बनना होगा। इतना ही नहीं, आप अपने आपको “Thought Leader” होने के लिए भी तैयार करें। आप अपने विचारों को विस्तृत होने

दीजिए और अपने पंखों को भी विस्तार दीजिए। तभी सारा आकाश आपका होगा। तभी हम सही मायने में फिर से विश्वगुरु बन पाएंगे।

मुझे उम्मीद है कि आप अपने ज्ञान और कौशल का प्रयोग आप केवल अपने फायदे के लिए नहीं करेंगे, बल्कि जनकल्याण तथा हमारे देश के समग्र विकास एवं प्रगति के लिए भी करेंगे। मैं आपसे निवेदन करता हूं कि आप जीवन में कितने ही आगे क्यों न बढ़ जाएं, आप कभी भी अपने माता-पिता, परिवारजनों, शिक्षकों और यूनिवर्सिटी को न भूलें।